MP Specific Current Affairs- April 2021

किल कोरोना अभियान - 2

मध्य प्रदेश में IITT (Identification, Isolation, Testing, Treatment) की रणनीति के तहत कोविड-19 के नियंत्रण के लिये 24 अप्रैल से 9 मई, 2021 तक प्रदेश के समस्त जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में किल कोरोना अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान का उद्देश्य -

अभियान में संभावित संक्रमित एवं कोरोना संक्रमित व्यक्तियों को समुदाय से अलग कर संक्रमण की चेन को तोड़ना है, जिससे कोरोना संक्रमण पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकेगा।

अन्य तथ्य-

- जिला कलेक्टर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में चयनित हॉट स्पॉट, जहाँ कोविड-19 संक्रमण की दर में वृद्धि हो रही हो, में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिये गठित दल द्वारा घर-घर जाकर बुखार के लक्षण वाले कोरोना के संभावित रोगियों की खोज की जा रही है।
- विकासखण्ड सर्वे दल गठित कर अभियान संचालित किया जा रहा है।
- इस दल में एएनएम, एमपीडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य सदस्य शामिल हैं।
- प्रतिदिन दल द्वारा 100 घरों (जिसमें लगभग पाँच सौ की जनसंख्या) का फीवर सर्वे किया जा रहा है।
- दल के पास पर्याप्त ट्रिपल लेयर मास्क, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, सेनेटाइजर इत्यादि संसाधन भी हैं।
- सर्वेलेंस कार्य के लिये बहु-उद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता/स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, एएनएम, बीईई, एलएचव्ही एवं अधिकारियों/अन्य विभागों के अधिकारियों की भी सक्रिय भागीदारी है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा 985 गौ-शालाओं का लोकार्पण और 145 का शिलान्यास

3 अप्रैल को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मिन्टो हॉल भोपाल में आयोजित राज्य-स्तरीय मिशन अर्थ कार्यक्रम में प्रदेश की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 260 करोड़ रुपये की लागत से

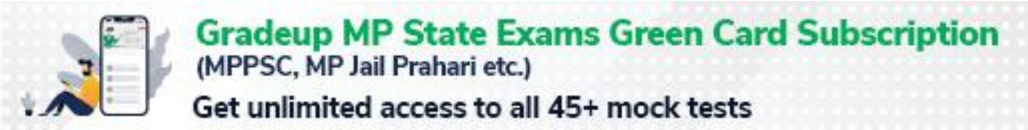

बनी 985 सामुदायिक गौ-शालाओं का लोकार्पण किया गया जो 50 करोड़ रुपये से निर्मित होगी | इसके साथ ही 145 सामुदायिक गौ-शालाओं का शिलान्यास भी किया गया ।

अन्य तथ्य-

मुख्यमंत्री श्री चौहान 13 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बने 1821 हितग्राही-मूलक पशु आश्रयों का लोकार्पण, लगभग 22 करोड़ की लागत से बनने जा रहे 2632 पशु आश्रयों का शिलान्यास भी किया |

नरेगा में विभिन्न प्रकार के हितग्राही-मूलक पशु आश्रयों, सामुदायिक गौ-शाला एवं चारागाह विकास के 384 करोड़ रुपये के 8310 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया |

इसके अतिरिक्त योजना में पशुओं को चारे की सतत आपूर्ति के लिये 38 करोड़ 61 लाख की लागत से प्रदेश में 2727 चारागाहों का भी विकास किया जायेगा |

किसान प्रोड्यूसर कम्पनियों का सम्मेलन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 3 अप्रैल को किसान उत्पादक संगठनों एवं कृषि अधोसंरचना निधि के हितग्राहियों के सम्मेलन का शुभारंभ किया गया ।

अन्य तथ्य-

- किसान उत्पादक कम्पनियों और संगठन के माध्यम से प्रदेश में किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज, कीटनाशक, खाद, उपार्जन प्रक्रिया से उचित मूल्य पर फसल खरीद, प्रति क्विंटल निर्धारित बोनस देना आदि कार्य किये जा रहे हैं ।
- ग्रामीण विकास विभाग के आजीविका मिशन में 45 किसान उत्पादक कम्पनियाँ गठित हैं, जिनका वार्षिक कारोबार 379 करोड़ रुपये है ।
- इनमें 39 कृषि फसल आधारित, 4 दुग्ध उत्पादन, एक लघु वनोपज और एक पोल्ट्री आधारित है।
- 31 कम्पनियाँ विशेष रूप से महिला किसानों को प्रोत्साहित करने के लिये गठित की गई हैं ।

लाभ-

क्रय किये गये अनाज का श्रेणीकरण कर कम्पनी बाजार में बेचती है। इससे कम्पनी को मुनाफा होता है । कम्पनी मुनाफे की राशि से किसानों को कम लागत में अधिक उपज के लिये कृषि

Gradeup MP State Exams Green Card Subscription
(MPPSC, MP Jail Prahari etc.)
Get unlimited access to all 45+ mock tests

तकनीकी का प्रशिक्षण दिलाने के साथ सहयोगात्मक मार्गदर्शन करती है। प्रदेश की किसान उत्पादक कम्पनियों में एक लाख 72 हजार 87 किसानों को जोड़कर लाभान्वित किया गया है।

आरक्षक श्रीवास्तव पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित

पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी.सी. सागर ने 12 अप्रैल को आरक्षक श्री सुनील श्रीवास्तव को पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया।

अन्य उपलब्धियां -

श्री श्रीवास्तव ने 23 वर्ष के कार्यकाल में 113 पुरस्कार प्राप्त किए हैं। विगत 15 वर्षों से उत्कृष्ट सेवाएँ देने पर इन्हें डीजीसीआर से सम्मानित किया गया है। एडीजी श्री सागर ने आरक्षक सुनील श्रीवास्तव को पदक पहनाकर बेहतर सेवाएँ देने के लिए हार्दिक बधाई और भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

वरिष्ठ कवि डॉ. कुँवर बैचेन जी का निधन

- 'राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान (वर्ष 2019) से सम्मानित' हिंदी के वरिष्ठ कवि डॉ. कुँवर बैचेन जी का 30 अप्रैल को निधन हो गया | डॉ. बैचेन जी का हिंदी भाषा के साहित्य के विकास में अतुलनीय योगदान रहा है।
- कवि डॉ. कुँवर बैचेन का जन्म 1 जुलाई 1942 में हुआ था। हिन्दी साहित्य में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. उपाधि प्राप्त डॉ. बैचेन का वास्तविक नाम कुँवर बहादुर सक्सेना था। वे 2002 में प्राध्यापक के रूप में सुदीर्घ सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। डॉ. कुँवर बैचेन ने लगभग 40 वर्षों से भी अधिक समय तक मंचीय सेवा में निरन्तर

Gradeup MP State Exams Green Card Subscription
(MPPSC, MP Jail Prahari etc.)
Get unlimited access to all 45+ mock tests

सक्रियता एवं उत्कृष्ट रचना के साथ नए प्रतिमान स्थापित किये। देश-विदेश में अब तक इनको 100 से अधिक सम्मान एवं पुरुस्कार मिल चुके हैं |
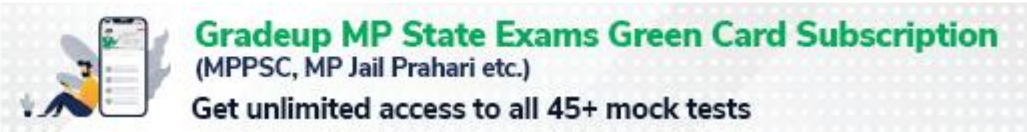
gradeup